सोमवार
04 मई 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 100
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

पांच राज्यों के हाल ही में हुए विधानसभा के चुनावी नतीजों से भाजपा गदगद

बंगाल में 'कमल', तमिलनाडु में विजय का 'धमाका'!

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनावों के परिणामों ने देश की राजनीति की दिशा बदलने की उम्मीद है। पांच राज्यों के चुनावी समर में जहाँ पश्चिम बंगाल में सत्ता का ऐतिहासिक परिवर्तन देखने को मिल रहा है, वहीं तमिलनाडु में फिल्मी पर्दे से राजनीति में उतरे अभिनेता विजय ने सबको चौंका दिया है।

पांच राज्यों में हुए विधानसभा के चुनाव परिणाम के रुझानों के अनुसार इस बार सबसे बड़ा उलटफेर पश्चिम बंगाल में होने वाला है, जहाँ भाजपा ने दो-तिहाई बहुमत के साथ टीएमसी के 15 साल के शासन को उखाड़ फेंकने की दिशा में आगे बढ़ रही है। रुझानों के अनुसार बीजेपी 190 से अधिक सीटों पर जीत दर्ज की ओर है। सोनार बांग्ला के नारे ने इस बार जमीन पर काम किया और ममता बनर्जी का खेला उन पर ही भारी पड़ता नजर आ रहा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की हार की संभावना और तृणमूल के बड़े मंत्रियों का पिछड़ना इस बात का संकेत है कि जनता ने पूरी तरह से बदलाव के लिए वोट किया है।

दूसरी ओर दक्षिण भारत की राजनीति में आज एक नया सितारा उभरा है। अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेट्टी कड़गम ने अपने पहले ही चुनाव में द्रविड़ राजनीति के दिग्गजोंकृको कड़ी टक्कर दी है। उनकी पार्टी 100 से ज्यादा

❑केरल में उलटफेर, असम-पाडुचेरी में एनडीए का दबदबा
❑परिणामों से बदला पावर बैलेंस, दलों के लिए नई चुनौती
❑विस चुनाव परिणामों में दिख गया मतदाता का बदला मूड

सीटों पर आगे चल रही है, जिससे एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार सत्ता से बाहर होती दिख रही है। इसके साथ ही केरल में हर पांच साल में सत्ता बदलने का रिवाज फिर से लौटने वाला है।

पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाली एलडीएफ को इस बार बड़ी शिकस्त मिल रही है। यहां लोगों ने एंटी-इंकंबेंसी और भ्रष्टाचार के मुद्दों ने केरल की जनता को विकल्प चुनने पर मजबूर किया।

पूर्वोत्तर में बीजेपी का किला अभेद्य बना हुआ है। असम में मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में बीजेपी गठबंधन ने 80 से अधिक सीटें जीतकर हैट्रिक की ओर है। वही पाडुचेरी में यहाँ एन. रंगासामी की पार्टी और बीजेपी गठबंधन फिर से सरकार बनाने जा रही है।

बता दें कि पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के परिणाम से बंगाल में बीजेपी की जीत और तमिलनाडु में विजय का उदय आने वाले 2029 के लोकसभा चुनावों के लिए एक नया नैरेटिव तैयार हो रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अभी तक के चुनाव परिणाम आने वाले राष्ट्रीय चुनावों के लिए संकेतक साबित हो सकते हैं, जहां भाजपा अपने संगठन विस्तार और योजनाओं के दम पर आगे बढ़ने की कोशिश करेगी, वहीं विपक्षी दल इन नतीजों से सीख लेकर अपनी रणनीति को धार देंगे। पांच राज्यों के चुनाव परिणामों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय लोकतंत्र में मतदाता का मिजाज तेजी से बदल रहा हैकृऔर यही बदलाव आने वाले समय में राजनीति की दिशा तय करेगा।

पत्नी का हत्यारा गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। दहेज में मोटरसाईकिल न मिलने पर पत्नी की गला घोंटकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार वर्तमान में सम्पूर्ण जनपद में प्रचलित 'ऑपरेशन प्रहार' के अन्तर्गत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा सभी अधिनस्तो को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार सघन चैकिंग/सत्यापन अभियान चलाते हुए आपराधिक गतिविधियों में लिप्त तथा वांछित/फरार आरोपियों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी क्रम में लाल मोहम्मद पुत्र सिराजुद्दीन निवासी ग्राम शारदा नगर सुहेला टापर पुरवा पो. चकई, थाना शारदा, जिला लखीमपुर, उ.प्र.

द्वारा थाना सेलाकुई पर सूचना दी कि उनके दामाद आरिफ अली पुत्र वारिश अली ने उनकी पुत्री शाहीन बानो जिसकी शादी को वर्ष 2025 मे हुई थी को दहेज के लिए प्रताडित कर चुन्नी से गला घोटकर हत्या कर दी है।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। घटना की सवेंदनशीलता के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी हेतु थाना सेलाकुई पर गठित पुलिस टीम को आवश्यक निर्देश दिये गये। आरोपी की गिरफ्तारी हेतु थाना सेलाकुई पर गठित पुलिस टीम द्वारा सुरागरसी पतारसी करते हुए साथ ही आरोपी के सभी सम्भावित स्थानों पर दबिशें दी गई।

पुलिस टीम द्वारा किये जा रहे लगातार प्रयासों के परिणाम स्वरूप मिली सूचना पर फरार/वांछित आरोपी आरिफ अली को सेलाकुई बाजार क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी द्वारा बताया गया कि वह दिहाडी मजदूरी का कार्य करता है तथा वर्ष 2025 मे उसका विवाह शाहिन बानो पुत्री लाल मोहम्मद निवासी ग्राम शारदा नगर सुहेला टापर पुरवा पो. चकई थाना शारदा जिला लखीमपुर उ.प्र. के साथ हुआ था। विवाह में उसके ससुराल वालो ने न तो उसे दहेज दिया था और न ही शादी में उसकी किसी प्रकार की सहायता की थी। एक माह पूर्व आरोपी अपनी पत्नी के साथ काम के लिये सेलाकुई आया था तथा जमनपुर मे किराये का कमरा लेकर अपनी पत्नी के साथ रहने लगा। आरोपी सेलाकुई में दिहाडी मजदूरी तथा उसकी पत्नी डिक्सन कम्पनी मे काम करने लगी।

इस दौरान आरोपी का अक्सर दहेज में मोटर साइकिल नही देने को लेकर अपनी पत्नी के साथ विवाद होता रहता था तथा उसे शक था कि उसकी पत्नी किसी अन्य व्यक्ति से भी बात करती है। घटना के दिन इसी बात को लेकर दोनो के बीच झगडा हो गया तथा मृतका द्वारा आरोपी को लात मारने पर आरोपी द्वारा चुन्नी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी तथा अपने रिश्तेदारों व आस-पास के लोगों को तबियत खराब होने के कारण उसकी पत्नी की मृत्यू होना बताया गया।

दून वैली मेल

संपादकीय

कठिन दौर की शुरुआत

बीते एक दशक से देश की राजनीति में क्या कुछ हो रहा है? भले ही आम आदमी के समय से परे रहा हो लेकिन अब उसकी समझ में सब कुछ आने लगा है। देश के राजनीतिक दल और नेता चुनावी नतीजों में उलझे हैं वहीं दूसरी ओर देश में महंगाई और बेरोजगारी की समस्या दस्तक दे रही है यह समस्या कितनी अधिक गंभीर और भैयावह रूप ले चुकी है इसका अभी किसी को भी अनुमान नहीं है। किसी राष्ट्र के लिए एनर्जी की क्या महत्ता है? यह बात किसी के भी तब तक समझ नहीं आ सकती है जब तक स्थिति सामान्य हो। असामान्य होते ही हालात ने देश में यह एनर्जी संकट इतना गंभीर होने वाला है कि इसके प्रभाव से क्या आम और क्या खास कोई भी व्यक्ति बच नहीं सकता है। तेल और गैस की कीमतों में होने वाली इस असामान्य मूल्य वृद्धि से उद्योग धंधे ों का चौपट होना और इन औद्योगिक इकाइयों में काम ठप होने से लोगों की नौकरियां जाने से लेकर होटल-रेस्टोरेंट और पर्यटन से जुड़े व्यवसाययों पर इसका अत्यंत ही प्रतिकूल प्रभाव पड़ना शुरू हो गया है। चाय से लेकर भोजन की थाली तक की कीमतों में 20 से 30 फीसदी तक का इजाफा हो चुका है। तथा अभी इसमें और अधिक वृद्धि के आसार दिखाई दे रहे हैं क्योंकि अभी सिर्फ खाना पकाना ही महंगा हुआ है पेट्रोल और डीजल की कीमतों में होने वाली वृद्धि से अब सामान की ढुलाई और यात्री किराए में भारी बढ़ोतरी होने तक तय है। चुनाव के कारण अब तक सरकार ने पेट्रोल डीजल की कीमतों में वृद्धि को रोका हुआ था। लेकिन चुनाव के नतीजे आते ही अब पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 25 से 35 रूपये प्रति लीटर तक वृद्धि संभावित है जिसके कारण आम उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों में भी भारी उछाल आएगा। पहले से महंगाई व बेरोजगारी की मार झेल रहे आम आदमी के लिए यह स्थिति असहनीय होने तक जा सकती है। देश में बड़ी संख्या में गरीबों की रेखा से नीचे जीने वाले और भुखमरी के शिकार लोगों की संख्या में 80 से 90 लाख लोग बढ़ सकते हैं। खास बात यह है कि बीते 11 सालों से देश की सत्ता पर काबिज भाजपा की सरकार और नेताओं द्वारा देश के लोगों से देश की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को लगातार छुपाया जा रहा है। सरकारी आंकड़ों में भले ही सब कुछ हरा ही हरा क्यों ना दिख रहा हो लेकिन आंतरिक हालात बेहद ही खराब होते जा रहे हैं। रुपए की कीमत अगर डॉलर के मुकाबले शुन्य पर जाने जैसी स्थिति हो तो आपको आयात की निर्भरता बहुत ही अल्पकाल में दिवालिया बना सकती है। मगर बीते 10 सालों में भाजपा के नेताओं ने इस तरफ कतई भी ध्यान नहीं दिया उनके लिए राजनीति का अर्थ सिर्फ और सिर्फ चुनाव लड़ने और चुनाव कैसे जीतना है तक ही सीमित रहा है। उनके लिए राजनीति का अर्थ राष्ट्र नीति कभी नहीं रहा है जहां समाज के कल्याण के लिए योजनाएं और नीतियों का निर्माण किया जाता है। बीते एक दशक से भाजपा ने सिर्फ अपनी चुनावी जीत सुनिश्चित करने वाली नीतियों को ही प्राथमिकता दी है। जिसका खामियाजा अब पूरे देश को भोगना पड़ रहा है।

मेंटल हेल्थ हैप्पीनेस क्लब द्वारा किया गया वर्कशॉप का आयोजन

हमारे प्रतिनिधि

रूद्रपुर। सरदार भगतसिंह महाविद्यालय में एक मेंटल हेल्थ हैप्पीनेस क्लव द्वारा वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की संयोजक प्रो. दीपा वर्मा विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग ने विभिन्न प्रकार की एक्टिविटी कराकर माहौल को खुशनुमा बना दिया। सर्वप्रथम डॉ. दिशा ने मेडिटेशन के द्वारा खुश रहने के कुछ टिप्स दिए । उन्होंने कहा कि खुशी हमारे अंदर है बाहर नहीं इसीलिये आप खुश रहेंगे तो स्वत ही आप सकारात्मक हो जायेगे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वक्ता चिकित्सा अधिकारी डॉ किशोर कुमार अग्रवाल ने कहा कि सकारात्मक रहिए और अपनी सोच बदलिए। आप पहले समाज को प्राथमिकता दें। नि:स्वार्थ भाव से कार्य करे। उससे बहुत खुशी मिलती है इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सरल और सहज रहें।जिसमें खुशी मिले वही कार्य करें। कार्यक्रम की वक्ता डॉ अमिता भटनागर प्राचार्या गुरुनानक गल्स डिग्री कालेज, ने कहा कि हमे सदैव खुश रहना चाहिए आजकल छोटे छोटे बच्चों को मानसिक तनाव है। इस तनाव के कारण उनकी हेल्थ पर बुरा असर पड़ रहा है।उन्होंने कहा कि हंमे फोन से दूर रहकर अपनों से बात करनी चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य प्रो0 अवधेश नारायण ने की। उन्होंने कहा कि इस संसार मे कोई कुछ लेकर नहीं आया न ही लेकर जाएगा। ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

कांग्रेस ने बदला अपना गेम प्लान, अब मंदिर की सीढ़ियों से करेगी चुनावी शंखनाद

'आस्था' के द्वार से 'सियासी' दस्तक

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के गढ़वाल मंडल से इस बार सियासत का नया अध्याय शुरू होने जा रहा है। कांग्रेस ने अपने चुनावी अभियान की शुरुआत बद्रीनाथ और केदारनाथ मंदिर जैसे प्रमुख धामों से करने का फैसला लिया है, जिससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि इस बार आस्था के केंद्र सियासी संदेशों के प्रमुख मंच बनेंगे।

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा का गढ़वाल दौरा प्रमुख धार्मिक स्थलों पर केंद्रित रहेगा, जो यह संकेत देगा है कि पार्टी अब आस्था के जरिए जनता से जुड़ने की कोशिश करेगी। ज्ञात हो कि अब तक उत्तराखंड की राजनीति में धार्मिक मुद्दों और सनातन आस्था के प्रतीकों पर मुख्य रूप से भाजपा की पकड़ मजबूत मानी जाती रही है। भाजपा ने लंबे समय से धार्मिक आयोजनों और आस्था से जुड़े प्रतीकों को अपनी राजनीति का अहम हिस्सा बनाया है, लेकिन अब कांग्रेस भी उसी पिच पर उतरती नजर आ रही है, जिससे सियासी मुकाबला और दिलचस्प होने की संभावना है।

●कांग्रेस के लिए प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा का गढ़वाल दौरा अहम
●उत्तराखंड के गढ़वाल मंडल से इस बार से सियासत का नया अध्याय
●कांग्रेस पार्टी अब आस्था के जरिए जनता से जुड़ने की कोशिश करेगी

बता दें कि कांग्रेस की गढ़वाल क्षेत्र के रुद्रप्रयाग, चमोली और अन्य जिलों में प्रस्तावित बैठकों को केवल संगठनात्मक गतिविधि के रूप में नहीं देखा जा रहा है। यह कार्यक्रम स्थानीय भावनाओं को समझने और उनसे जुड़ने की एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। इन इलाकों में धार्मिक आस्था का गहरा प्रभाव है, ऐसे में यहां से सियासी संदेश देना बेहद प्रभावी माना जाता है। कुमारी शैलजा का यह दौरा 6 मई से शुरू होने जा रहा है। वह सबसे पहले)षिकेश पहुंचेंगी, जहां वह रात्रि विश्राम करेंगी। इसके बाद 7 मई से उनके राजनीतिक कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। इस दिन वह श्रीनगर में जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगी और संगठन की स्थिति का जायजा लेंगी।

8 मई को उनका कार्यक्रम बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जब वह केदारनाथ धाम पहुंचेंगी और वहां पूजा-अर्चना करेंगी। यह दौरा केवल धार्मिक नहीं, बल्कि राजनीतिक दृदृष्टि से भी अहम होगा। इसी दिन वह अगस्त्यमुनि में कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगी और इसके बाद रुद्रप्रयाग में भी जिला स्तर के नेताओं के साथ बैठक करेंगी। इसके अगले दिन यानी 9 मई को उनका दौरा चमोली जिले में रहेगा, जहां वह बदरीनाथ धाम पहुंचेंगी और वहीं रात्रि विश्राम करेंगी। 10 मई को सुबह वह बदरीनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगी और इसके बाद जोशीमठ में कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगी। इस दौरान पार्टी की रणनीतियों और आगामी चुनावों को लेकर चर्चा की जाएगी।

11 मई को कुमारी शैलजा टिहरी ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

कार्मिकों की पीड़ा को लेकर मोर्चा ने दी शासन में दस्तक

संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा ने स्वास्थ्य सचिव से मुलाकात कर कार्मिकों व पेंशनर्स की समस्याओं से अवगत कराया।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने स्वास्थ्य सचिव सचिन कुर्वे से मुलाकात कर प्रदेश के कार्मिकों/पेंशनर्स को गोल्डन कार्ड के जरिए कैशलेस इलाज दिलाने की मांग की, जिस पर सचिव कुर्वे ने बहुत जल्द कर्मचारियों को निजात दिलाने हेतु कैबिनेट में प्रस्ताव लाये जाने की बात कही, जिसमें सिर्फ वन टाइम कटौती होगी। नेगी ने कहा कि प्रदेश के कार्मिकों एवं पेंशनर्स को गोल्डन कार्ड की

विसंगतियां एवं अन्य लापरवाही के चलते अधिकांश सूचीबद्ध अस्पतालों में कैशलेस इलाज नहीं मिल पा रहा है, जिस कारण कार्मिक,खास तौर पर पेंशनर्स व निगमों के कर्मचारी (जिनको पेंशन नहीं मिलती) इलाज कराने के लिए दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर है। कई पेंशनर संसाधन ही नहीं जुटा पाते उनको सिर्फ ऊपर वाले के रहमों करम पर निर्भर रहना पड़ता है। कई पेंशनर्स तो रिश्तेदारों व दोस्तों से उधारी व ब्याज पर कर्ज लेकर इलाज करा रहे हैं, जोकि बहुत ही चिंताजनक है। नेगी ने कहा कि छोटी-मोटी बीमारी का करने का इलाज कराने के लिए कर्मचारी साधन जुटा लेता है, लेकिन हृदय संबंधी व अन्य जटिल/ आपात स्थिति में समुचित संसाधन- पैसा न होने के कारण कई बार कार्मिकों की जान पर बनती है, जिसको नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। मोर्चा कर्मचारियों को उनके हाल पर मरने- तड़पने के लिए नहीं छोड़ सकता। प्रतिनिधि मंडल में प्रवीण शर्मा पिन्नी मौजूद थे।

कांग्रेस ने मनाया इंटक का 79वां स्थापना दिवस

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस ने इंटक का 79वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया।

आज यहां इंटक के 79वां स्थापना दिवस को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने धूमधाम से मनाया। इस दौरान इंटक के प्रदेश अध्यक्ष हीरा सिंह बिष्ट ने कहा कि 15 अगस्तम को ब्रिटानिया हुकूमत से भारत की आजादी समारोह आयोजन से पूर्व महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरू, सरदार पटेल, डाक्टर भीमराव अम्बेडकर, सहित अनेत स्वतंत्रता संग्राम के नेताओं ने कामगारों के हितों की सुरक्षा के लिए तीन मई 1947 को ही राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इंटक की स्थापना करते हुए स्वर्गीय गुलजारी लाल नंदा को राष्ट्रीय इंटक का अध्यक्ष नियुक्त करते हुए श्रमिक वर्ग को भी आजादी का हिस्सेदार बनाया। इस दौरान वक्ताओं ने भारत सरकार की श्रम विरोधी नीतियों के कारण कामगारों का हो रहे शोषण पर गम्भीर चिंता व्यक्त की गयी तथा उत्तराखण्ड प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा सेलाकुई, हरिद्वार में कार्यरत कर्मचारी को पुरानी

पेंशन योजना का लाभ न दिये जाने से आंदोलनरत कर्मचारी को अति शीघ्र न्याय दिलाने पर जोर दिया गया। बिष्ट ने प्रदेश सरकार की गरीब मजदूर, किसान युव महिला विरोधी सरकार द्वारा विभिन्न निजी संस्थाओं में फेयर वेज पॉलिसी को नजरअंदाज करके श्रमिकों का शोषण किए जाने पर गम्भीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि प्रदेश के विभिन्न विभागां तथा संस्थाओं में लगभग 60 हजार पद रिक्त होते हुए भी युवाओं को नियमित रोजगार नहीं दिया जा रहा है जिससे उत्तराखण्ड के युवाओं का आक्रोश बढता जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार के ढुलमुल नीति के कारण पेपर लीक पद्धति बेरोजगारों के साथ मजाक बना दिया गया है और अपरोधी तत्वों द्वारा अपने स्वार्थ के लिए इस प्रकार की गैर सामाजिक नीति उद्योग बना दी गयी है। इस अवसर पर युवा इंटक के जिलाध्यक्ष अभिनव बिष्ट, वीरेन्द्र नेगी, पंकज क्षेत्री, राजवीर सिंह, राकेश राजपूत, अरविन्द राजपूत, अनिक कुमार, राकेश शर्मा, तनवीर आलम, विक्टर थॉमस, घनश्याम गुरंग, हिमांशु नेगी, मनोज अग्रवाल, बालेस कुमार, अजय शर्मा, रोहिल चरण, गिरीश उप्रेती आदि लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये।

पीपलडाली-रजाखेत मार्ग के जख्म भरने को 10 लाख मंजूर

नई टिहरी(आरएनएस)। पीपलडाली-रजाखेत मोटर मार्ग की बदहाल स्थिति से जूझ रहे लोगों को राहत मिलने की उम्मीद जगी है। करीब दो साल के इंतजार के बाद सड़क के किमी 1 से 10 तक पैचवर्क के लिए 10 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति मिल गई है। यह मार्ग लंबे समय से जर्जर हालत में था। जगह-जगह गहरे गड्ढों के कारण वाहन चालकों, खासकर दोपहिया चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। कई स्थानों पर टायर फंसने और फिसलने से दुर्घटना का खतरा बना रहता था।

बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भरने से हालात और खराब हो जाते थे, जिससे राहगीरों को भी परेशानी झेलनी पड़ती थी। पीपलडाली-रजाखेत मार्ग प्रतापनगर, जाखणीधार और भिलंगना ब्लॉक के दर्जनों गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है। लंबे समय तक लोनिवि द्वारा उपेक्षा के चलते स्थानीय लोग लगातार मरम्मत की मांग कर रहे थे। बीते अक्तूबर में किया गया पेचवर्क भी टिकाऊ नहीं रहा और सड़क फिर से खराब हो गई। लोनिवि के ईई योगेश कुमार ने बताया कि पैचवर्क के लिए स्वीकृति मिल चुकी है। टेंडर प्रक्रिया पूरी कर इस माह के अंत तक कार्य शुरू किया जाएगा।

जीएमवीएन से गडोली पुल तक लगेंगी सिंगल आर्म लाइटें

चमोली(आरएनएस)। गैरसैंण नगर पंचायत की ओर से नैनीताल हाईवे पर जीएमवीएन से गडोली पुल तक सिंगल आर्म लाइटें लगाई जाएंगी। लाइटों के लगने से जहां अंधेरे की समस्या दूर होगी वहीं हाईवे से गुजरने वाले लोगों को यह आकर्षित भी करेगी। नगर पंचायत की ओर से इसकी निविदा जारी की गई है। नगर पंचायत की ओर से नगर क्षेत्र को लगातार सुंदर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके तहत नपं की ओर से हाईवे के किनारे सिंगल आर्म लाइटें लगाई जा रही हैं। जीएमवीएन से गडोली पुल तक एक किमी में 72 लाइटें लगाई जाएगी जिसके लिए 82 लाख की निविदा जारी की गई है। नगर पालिका अध्यक्ष मोहन भंडारी ने कहा कि नगर क्षेत्र को साफ और स्वच्छ बनाने के साथ सुंदर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं अधिशासी अधिकारी अरुण कुमार सैनी ने बताया कि एक दो दिन के भीतर निविदा खोल दी जाएगी।

समय लग रहा मगर चूल्हे पर बने खाने में है घर जैसा स्वाद

चमोली(आरएनएस)। व्यावसायिक गैस की किल्लत से भले ही होटल-ढाबा संचालक परेशानी झेल रहे हों लेकिन इन प्रतिष्ठानों में लकड़ी के चूल्हे पर बन रहा खाना सभी को खूब पसंद आ रहा है। बदरीनाथ धाम में ब्रह्मकपाल की कैंटीन में भी चूल्हे पर खाना बन रहा है। तीर्थ पुरोहितों का कहना है कि इस खाने में घर जैसा स्वाद है।

ब्रह्मकपाल में पिंडदान, तर्पण व अन्य कार्य करने वाले तीर्थ पुरोहितों के लिए वहां पर एक कैंटीन है। यहां 70 से अधिक तीर्थपुरोहित रोज खाना खाते हैं लेकिन व्यावसायिक गैस की किल्लत के कारण यहां पर लकड़ी के चूल्हे पर खाना बनाया जा रहा है। कैंटीन संचालक धीरज नेगी का कहना है कि लकड़ी के चूल्हे पर खाना बनाया जा रहा है लेकिन इसमें समय अधिक लग जाता है। वहीं ब्रह्मकपाल के तीर्थ पुरोहित मदन कोठियाल व हरीश सती का कहना है कि चूल्हे पर बने खाने में घर जैसा स्वाद है। वहीं धाम में इन दिनों मौसम बदलने से ठंड भी बढ़ रही है। चूल्हे की आग से ठंड से भी निजात मिल रही है।

उत्तराखंड परिवहन निगम की बसें लगीं चारधाम यात्रा में लोग सड़कों पर

चमोली(आरएनएस)। दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात की सुविधा देने वाली उत्तराखंड परिवहन निगम की कई बस सेवाएं चारधाम यात्रा में लग गई हैं। नौटी, देवाल और नागचुलाखाल की बसें नहीं आने से दूरस्थ गांवों में आवागमन करने वाले लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। उत्तराखंड परिवहन निगम के हिल डिपो देहरादून से वाया कर्णप्रयाग से होते हुए गैरसैंण क्षेत्र के दूरस्थ क्षेत्र नागचुलाखाल के लिए बस सेवा संचालित होती है।

कुमाऊं और पौड़ी जिले की सीमा पर स्थित नागचुलाखाल के कर्णप्रयाग में काफी संख्या में लोग इस बस सेवा से जाते हैं लेकिन यह बस सेवा करीब एक सप्ताह से नहीं आ रही है। वहीं देहरादून से कर्णप्रयाग होते हुए नौटी, देवलकोट तक जाने वाली निगम की एकमात्र बस सेवा है। यह बस भी चारधाम यात्रा में लग गई है जबकि पिंडर घाटी के लिए चलने वाली देहरादून-देवाल बस सेवा भी बीते कई दिनों से नहीं आ रही है। अपर बाजार व्यापार संघ अध्यक्ष अनिल खंडूड़ी ने बताया कि दूरस्थ गांवों में केवल उत्तराखंड परिवहन निगम की बस सेवाएं हैं। कई लोग इन बस सेवाओं से दूर-दराज के क्षेत्रों से कर्णप्रयाग अस्पताल पहुंचते हैं लेकिन बस सेवाएं यात्रा में लगने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

सूखती 'जल धाराए' और प्यासे 'पहाड़'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के पहाड़ी गांव पलायन के कारण आज खाली हो गए हैं और इसके साथ ही पहाड़ की वह विरासत भी खत्म होने के कगार पर है। आज वह विरासत भी अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही जो सदियों से यहां के गांवों की सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र होती थी। यहां बात हो रही है हिमालय की वादियों में स्थित

❑सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियां भी हो गई लुप्त
❑पहाड़ के गांवों में सदियों पुरानी जल संस्कृति पर संकट
❑अनियोजित विकास और जलवायु परिवर्तन बना कारण

गांवों में सदियों से प्यास बुझाते आ रहे पारंपरिक जल स्रोत 'धारा' और 'नौले' की। यह प्राकृतिक जल स्रोत, आधुनिकता की चकाचौंध और जलवायु परिवर्तन की मार के कारण धीरे-धीरे सूखने की कगार पर हैं।

पहाड़ के जीवन में पारंपरिक जल स्रोत 'धारा' और 'नौले' का विशेष महत्व रहा है। यह 'धारा' और 'नौले' सिर्फ प्यास ही नहीं बुझाते थे, बल्कि यह गांवों में सामुहिकता की एक मिशाल थी। सुबह-शाम 'धारा' और 'नौले' के आसपास महिलाओं और ग्रामीणों का जमावड़ा लगता था, जिससे आपसी संवाद और सामुदायिक एकता मजबूत होती थी। कई स्थानों पर धाराओं के पास देवस्थल भी बनाए गए, जहां लोग जल को पवित्र मानकर उसकी पूजा करते हैं।

गांवों में स्थानीय लोगों ने पीढ़ियों से इन जल स्रोतों को संरक्षित रखने के लिए प्राकृतिक संतुलन बनाए रखा। धारा के आसपास के जलग्रहण क्षेत्र में पेड़-पौधों का संरक्षण किया जाता था और वहां किसी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं होने दिया जाता था। यही कारण था कि यह स्रोत सालभर पानी उपलब्ध कराते थे। लेकिन आधुनिकता की चकाचौंध में यह सब नहीं हो रहा है और लोग मोबाइल और टीवी पर चिपके रहते हैं। इस कारण प्राकृतिक जलस्रोत भी आज अकेले होकर दम तोड़ने लग गए है।

विशेषज्ञों के अनुसार सिर्फ यही एक कारण नहीं है बल्कि वनों की अंधाधुंध कटाई, सड़क और भवन निर्माण, और जलवायु परिवर्तन इसके प्रमुख कारण हैं। पहाड़ों में हो रहे अनियोजित विकास ने जलग्रहण क्षेत्रों को नुकसान पहुंचाया है। इसके अलावा, गांवों से हो रहे पलायन के चलते इन स्रोतों की नियमित देखरेख भी कम हो गई है। धाराओं के सूखने से गांवों में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। कई क्षेत्रों में अब लोगों को दूर-दराज से पानी लाना पड़ता है या फिर सरकारी टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। इससे न केवल दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है, बल्कि पारंपरिक जीवनशैली भी टूट रही है।

विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि समय रहते इन स्रोतों के संरक्षण के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में स्थिति और गंभीर हो सकती है। जलग्रहण क्षेत्रों में पौधरोपण, वर्षा जल संचयन और पारंपरिक ज्ञान को बढ़ावा देने जैसे उपाय कारगर साबित हो सकते हैं। साथ ही, स्थानीय समुदाय की भागीदारी भी बेहद जरूरी है।

प्रकृति का अद्भुत इंजीनियरिंग कौशल

पहाड़ में पानी के प्राकृति स्रोत केवल पानी निकालने की जगह नहीं, बल्कि प्राचीन इंजीनियरिंग का बेजोड़ नमूना हैं। भू-वैज्ञानिकों के अनुसार, पहाड़ की आंतरिक परतों से छनकर आने वाला यह पानी न केवल मिनरल्स से भरपूर होता है, बल्कि प्राकृतिक रूप से फिल्टर भी होता है। स्थानीय बुजुर्ग बताते हैं कि धाराओं का पानी औषधीय गुणों से युक्त होता है, जो पेट की बीमारियों और पथरी जैसी समस्याओं में रामबाण माना जाता था।

संस्कृति और परम्परा का संगम

पहाड़ में धाराओं का महत्व केवल प्यास बुझाने तक सीमित नहीं है। देवभूमि की परंपराओं में धारा पूजन का विशेष स्थान है। नवविवाहित वधू का पहली बार धारा पर जाकर पूजा करना इस बात का प्रतीक है कि जल ही जीवन का मूल है। सिंहमुख और गरुड़मुख जैसी कलाकृतियों से सजे ये स्रोत स्थापत्य कला का भी उत्कृष्ट उदाहरण पेश करते हैं।

आटागाड़ नदी में ब्लीचिंग पाउडर से मर रहीं मछलियां

चमोली(आरएनएस)। जसपुर-उज्वलपुर मार्ग के आटागाड़ और जसपुर व आसपास की नदियों में बड़ी संख्या में मृत मछलियां मिल रही हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार मछुआरे मछली पकड़ने के लिए भारी मात्रा में ब्लीचिंग पाउडर का उपयोग कर रहे हैं जिससे पानी प्रदूषित हो रहा है और जलीय जीवों को नुकसान पहुंच रहा है। संदीप बहुगुणा, दिनेश चंद्र, भगवती प्रसाद, हरीश चंद्र ने कहा कि ब्लीचिंग पाउडर जलीय जीवों की मृत्यु का कारण बनता है। यह जल स्रोतों की गुणवत्ता बिगाड़कर मानव स्वास्थ्य को भी हानि पहुंचा सकता है। उन्होंने नदियों और गदेरों में ब्लीचिंग पाउडर डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। दूसरी ओर धनपुर रेंज के रेंजर एनके नेगी ने बताया कि संबंधित क्षेत्र के कर्मचारियों की गश्त बढ़ाकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

रगड़ी में महाविद्यालय के लिए भूमि का प्रस्ताव शासन को भेजा

नई टिहरी(आरएनएस)। भिलंग पट्टी क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए बड़ी राहत मिलने की उम्मीद जगी है। रगड़ी (सांकरी) में राजकीय महाविद्यालय खोलने की प्रक्रिया तेज हो गई है और इसके लिए 1.963 हेक्टेयर भूमि चिह्नित कर शासन को प्रस्ताव भेज दिया गया है। साथ ही प्रयास है कि नए शिक्षण सत्र से वैकल्पिक व्यवस्था के तहत प्रवेश प्रक्रिया भी शुरू कर दी जाए।

भिलंगना ब्लॉक में उच्च शिक्षा के सीमित विकल्पों के कारण छात्र-छात्राओं को लंबे समय से परेशानी झेलनी पड़ रही है। वर्तमान में बालगंगा अशासकीय महाविद्यालय, सेंदुल ही एकमात्र संस्थान है, जहां घनसाली और ढुंगमंदार पट्टी के छात्र-छात्राएं दूर-दराज से पढ़ने पहुंचते हैं। संसाधनों की कमी के चलते यहां बीए और बीएससी में सात विषय तथा एमए में केवल तीन विषय ही संचालित हैं। भिलंग पट्टी के 32 से अधिक गांवों में कोई भी सरकारी या निजी महाविद्यालय नहीं होने से छात्रों को नई टिहरी, श्रीनगर या देहरादून जाना पड़ता है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह संभव नहीं हो पाता, जिससे कई छात्र उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। क्षेत्र में लंबे समय से महाविद्यालय की मांग की जा रही थी। वर्ष 2023 में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घनसाली विधानसभा क्षेत्र में राजकीय महाविद्यालय खोलने की घोषणा की थी, जिसके बाद प्रशासन ने भूमि चयन की प्रक्रिया शुरू की। विधायक शक्ति लाल शाह ने बताया कि चयनित भूमि का उच्च शिक्षा विभाग की समिति द्वारा निरीक्षण कर रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है। उन्होंने कहा कि इसी वर्ष नए सत्र से वैकल्पिक व्यवस्था के तहत कक्षाएं शुरू कराने का प्रयास किया जा रहा है।

महाविद्यालय की स्थापना से गंगी, घुत्तू, दरजियाणा, समणगांव, सांकरी, जुदांणा, पोखार, गवाणा तल्ला, लोम, थाती, भाटगांव, जंदोली, दोपड़धार, बंजिगा और धारगांव सहित आसपास के कई गांवों के छात्र-छात्राओं को स्थानीय स्तर पर उच्च शिक्षा का लाभ मिल सकेगा।

फलों का सेवन करते समय इन गलतियों को करने से बचें, नहीं होगा नुकसान

जब फिटनेस और स्वास्थ्य की बात आती है तो फल हर किसी के लिए पोषण का पसंदीदा स्रोत होते हैं।हालांकि, कई लोग अनजाने में इनके सेवन के दौरान कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं, जो फायदे से ज्यादा नुकसान पहुंचा सकती हैं।ऐसे में आइये आज हम आपको फलों का सेवन करते समय होने वाली 5 सामान्य गलतियां बताते हैं, जिनसे आपको बचना चाहिए।

रात को फल खाने से बचें

ज्यादातर लोग रात के समय फल खा लेते हैं, जो गलत है।रात का खाना हल्का होना चाहिए और खाने से ठीक पहले फल खाना कई तरह से नुकसानदेह हो सकता है।इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि इनमें मौजूद प्राकृतिक शुगर आपको लंबे समय तक जगाए रख सकती है क्योंकि यह ऊर्जा के स्तर को बढ़ाती है।इस कारण रात की बेहतर नींद के लिए सोने से कम-से-कम 2 से 3 घंटे पहले ही फल खा लें।

फलों का जूस न बनाएं

जब आप किसी भी फल का जूस निकालते हैं तो उसकी सारी प्राकृतिक शुगर गिलास में रह जाती है और उसका फाइबर और छिलके वाले पदार्थ बाहर निकल जाते हैं। इसके बाद जब आप जूस को पीते हैं तो यह आपको अग्नाश्य पर जल्द-से-जल्द चीनी को संसाधित करने के लिए दबाव डाल सकता है। इससे बचाव के लिए या तो साबुत फल खाए या फिर जूस में 5० प्रतिशत पानी मिलाकर पीये।

फलों को काटने के बाद देर तक बाहर न रखें

कुछ लोग फल को काटकर रख देते हैं और फिर लंबे अंतराल के बाद उन्हें खाते हैं। ऐसा करना सही नहीं है।जब आप फल काटते हैं तो ऑक्सीकरण तुरंत शुरू हो जाता है। इससे उनमें पोषण कम हो जाता है और वे तापमान और हवा से जल्दी खराब हो सकते हैं।इस कारण जब भी आपको फल खाना हो उसी वक्त ही उन्हें काटें। इससे उनमें पोषण बरकरार रहेगा।

फल खाने के तुरंत बाद पानी न पीये

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि फल खाने के तुरंत बाद पानी नहीं पीना चाहिए क्योंकि यह शरीर के श्वङ्क स्तर को बिगाड़ता है और पाचन समस्याओं का कारण बनता है। इसके कारण आपका पेट फूला हुआ भी महसूस हो सकता है या गैस और अम्लता का अनुभव हो सकता है क्योंकि फल खाने के बाद पानी पीने से पाचन धीमा हो जाता है।इससे बचाव के लिए फल खाने के कम-से-कम 2० से 25 मिनट बाद पानी पीये।

ठंडे फल खाने से बचें

ज्यादातर लोगों को ठंडे फल खाना पसंद होता है। हालांकि, इन्हें सीधे फ्रिज से बाहर निकालकर खाना हानिकारक है।ऐसा इसलिए है क्योंकि ठंडे फल खाने से शरीर को एक छोटा-सा झटका लगता है, जिससे ब्लड सर्कुलेशन में बाधा होती है, त्वचा रूखी होती है और ब्रेन फॉग भी हो सकता है।

जानें क्या है जुवेनाइल आर्थराइटिस, जो बच्चों को बना सकती है अपंग

जुवेनाइल आर्थराइटिस बच्चों में होने वाली एक ऑटोइम्यून बीमारी है। आंकड़ों पर ध्यान दें तो हमारे देश में हर 1,००० बच्चों में से एक बच्चा इस बीमारी से प्रभावित है। इसमें 16 साल से कम उम्र के बच्चों में गठिया का सबसे आम रूप पाया जाता है। इसकी वजह से क्रोनिक दर्द, जोड़ों में विकृति, विकास में समस्या और डेली की एक्टिविटीज में परेशानी शुरू हो जाती है। अगर शुरुआत में ही जुवेनाइल आर्थराइटिस पहचानकर इसका इलाज कराया जाए तो बच्चों में विकलांगता और जोड़ में परेशानी को रोका जा सकता है। इससे बचाव में डॉक्टर की दवा, लाइफस्टाइल में बदलाव और फिजिकल थेरेपी काफी मदद करती है। आइए जानते हैं इस बीमारी से जुड़ी हर एक डिटेल्स।

जुवेनाइल आर्थराइटिस के लक्षण

ऐसे बच्चे जो जुवेनाइल आर्थराइटिस के शिकार होते हैं, उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। दर्द, जोड़ों में अकडन् और कम चल-फिर पाने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके चलते रोजाना की एक्टिविटीज और स्कूल, खेलकूद में बच्चों को परेशानियां होती हैं। कई बार इस बीमारी में दूसरे बच्चों से खुद को कम आंक बच्चे आइसोलेशन में भी चले जाते हैं। ये बीमारी उनकी आंख, दिल, फेफड़े और पाचन तंत्र को भी प्रभावित कर सकता है।

जुवेनाइल आर्थराइटिस का इलाज

माता-पिता को बचपन से ही बच्चे की हर गतिविधि पर नजर रखनी चाहिए। अगर उनमें इससे जुड़ी किसी भी तरह के संकेत दिखाई देते हैं तो तुरंत डॉक्टर के पास ले जाएं। क्योंकि सूजन से बच्चों की हड्डियों और जोड़ों में गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। पैरेंट्स की देखभाल बच्चों की कठिनाई से बाहर आने में काफी मदद करती है। बच्चों को जुवेनाइल आर्थराइटिस से बचाने कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।। बाल रोग विशेषज्ञ, रुमेटोलॉजिस्ट, बाल चिकित्सा आर्थोपेडिक सर्जन से नियमित तौर पर बच्चों की जांच इस बीमारी से बचाने में उनकी मदद कर सकती है। बच्चों को समय पर दवा देना चाहिए, ताकि दर्द और सूजन को कम किया जा सके। पोषक तत्वों से भरपूर भोजन करना चाहिए। बच्चों को हल्के एक्सरसाइज करवाना चाहिए। इस स्थिति से निपटने के लिए बच्चों को इमोशनल सपोर्ट करें। जुवेनाइल आर्थराइटिस के बारे में ज्यादा से ज्यादा लोगों को बताने से इसकी समझ बढ़ सकती है और स्कूल- खेल के मैदान में सपोर्ट का माहौल बन सकता है।

खतरनाक होती है काली खांसी, इन घरेलू उपायों से मिलेगा आराम

जिन बच्चों या बड़ों की शारीरिक प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, वो बीमारियों की चपेट में जल्दी आ जाते हैं। इनमें भी विशेष रूप से बच्चे। इनमें से एक है काली खांसी जो कि एक संक्रमण रोग है और श्वसन संबंधी बीमारी है। खासकर 2-3 वर्ष उम्र के बच्चों में काली खांसी अधिक देखी जाती है। काली खांसी को अंग्रेजी में पर्टुसिस और वूपिंग कफ कहा जाता है। वहीं, इसे स्थानीय भाषा में कुकुर खांसी के नाम से भी जाना जाता है। इस बीमारी में कई बार खांसते-खांसते दम फूलने लगता है। आंखें लाल हो जाती हैं। आज हम अपने पाठकों को कुछ ऐसे घरेलू उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं जो बच्चों को इस बीमारी से आराम दिलाने का काम करेंगे।

तुलसी : काली खांसी में तुलसी का इस्तेमाल काफी फायदेमंद हो सकता है। इसमें एंटीमाइक्रोबियल गुण होते हैं, जो बैक्टीरिया से लड़ने और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद कर सकते हैं। इसके लिए आप 1०-12 तुलसी के पत्तों को पीस लें। अब इसमें थोड़ा सा शहद मिलाकर छोटी-छोटी गोलियां बना लें। बच्चे को दिन में 3-4 गोली खाने को दें।

मुलेठी : मुलेठी में ग्लाइसिराइजिक एसिड होता है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है। इसमें डीमुलसेंट घटक होते हैं जो उत्तकों का इलाज करते हैं। काली खांसी के कारण उत्तकों को काफी नुकसान पहुंचता है।मुलेठी से इलाज के लिए सबसे पहले एक कप पानी को गर्म करें और उसमें एक बड़ा चम्मच मुलेठी का पाउडर डालें। मिश्रण को पांच मिनट तक गर्म होने को रख दें। अब बर्तन को गैस से हटाएं और दस मिनट के लिए ऐसे ही रहने दें। फिर मिश्रण को छानकर पी जाएं। इस प्रक्रिया को कुछ दिनों तक पूरे दिन में दो से तीन बार दोहराएं।

अदरक : अदरक का उपयोग स्वाद के साथ ही सेहत के लिए भी किया जा जाता है। इससे जुड़े एक शोध में पाया गया कि अदरक ग्राम-नेगेटिव बैक्टीरिया के खिलाफ एंटीबैक्टीरियल प्रभाव प्रदर्शित कर सकता है। वहीं, काली खांसी का बैक्टीरिया भी एक ग्राम नेगेटिव बैक्टीरिया ही है, इसलिए माना जा सकता है कि अदरक काली खांसी के बैक्टीरिया से लड़ने का काम कर सकता है। इलाज के लिए अदरक का पेस्ट बना लें। पेस्ट से अदरक का रस निकालें और इसका रोजाना सेवन करें। स्वाद के लिए इसमें आधा चम्मच शहद मिला सकते हैं।

एसेंशियल ऑयल : एसेंशियल ऑयल का इस्तेमाल काली खांसी से राहत पाने के लिए फायदेमंद हो सकता है। पुदीना और लेमनग्रास एसेंशियल ऑयल में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो संक्रमण से लड़ने में मददगार हो सकते हैं। बच्चे को काली खांसी होने पर बादाम या जैतून के तेल में पेपरमिंट एसेंशियल ऑयल डालकर पीठ और छाती की हल्की मालिश करें।

बादाम : बच्चों की काली खांसी खत्म करने के लिए तीन-चार बादाम रात में पानी में भिगाकर रख दें। सुबह बादाम के छिलके उतार लें। इसे एक कली लहसुन और थोड़ी सी मिश्री के साथ पीस लें। तैयार पेस्ट की छोटी-छोटी गोलियां बनाकर बच्चे को खिलाएं। इससे खांसी में आराम मिलेगा। काली खांसी के लक्षण आमतौर पर 5-1० दिनों के भीतर संक्रमित होने के बाद विकसित होते हैं। कभी-कभी काली खांसी के लक्षण 3 सप्ताह तक विकसित नहीं होते हैं।

लहसुन : लहसुन सर्दी, जुकाम और खांसी के इलाज के लिए फायदेमंद है। काली खांसी से छुटकारे के लिए लहसुन की 5-6 कलियों को छीलकर बारीक काट लें। उन्हें पानी में उबाल लें। इस पानी से भाप लें। रोज ऐसा करने से 8-1० दिन में काली खांसी खत्म हो जाती है।

हल्दी : हल्दी में एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण होते हैं जो काली खांसी का इलाज करने में मदद करते हैं। इसमें इलाज करने वाले गुण होते हैं जो खांसी के लिए प्रभावी होते हैं, खासकर सूखी खांसी। हल्दी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करती है और शरीर में मौजूद इन्फेक्शन से लड़ती है। इसके लिए एक ग्लास गर्म दूध में हल्दी मिला लें। मिलाने के बाद दूध को पी जाएं। इस उपाय को पूरे दिन में दो बार करें।

अजवाइन : अजवाइन के फायदे काली खांसी का घरेलू इलाज करने में भी लाभदायक हो सकते हैं। इससे जुड़े एक शोध में जिक्र मिलता है कि यह सामान्य कफ से लेकर काली खांसी में राहत पहुंचाने का काम कर सकता है। वहीं, अजवाइन में एंटी बैक्टीरियल गुण भी मौजूद होता है। ऐसे में यह काली खांसी के बैक्टीरिया से लड़ने का काम भी कर सकता है। इलाज के लिए पानी में अजवाइन डालें। इसके बाद अच्छे से उबाल लें। अजवाइन से निकले पीले पानी को पी लें।

शब्द सामर्थ्य -021

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 1०. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 2०. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 1०. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 2०. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

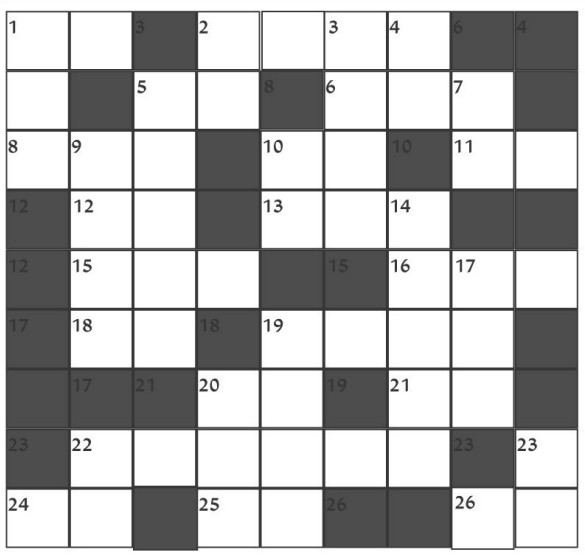

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 20 का हल

स्वा	द	■	सा	म	ना	■	कै	दी
व	■	ख	ल	ना	य	क	■	वा
लं	प	ट	■	ना	क	क	ट	ना
बी	■	प	■	■	■	ड़ी	■	प
■	अ	ट	प	टा	■	■	शा	न
स	ह	■	यो	■	■	र	ति	■
ह	म	■	द	र	ब	द	र	■
म	क	र	■	सी	ल	■	■	■
त	■	क्षा	■	द	वा	खा	ना	■

रामायण पार्ट 1 में राम-रावण अवतार में क्या आमने-सामने होंगे रणबीर कपूर और यश!

अभिनेता यश ने रामायण में रावण की अपनी भूमिका के बारे में कुछ नई जानकारी साझा की है, और एक खुलासे ने प्रशंसकों को चौंका दिया है। अभिनेता ने पुष्टि की कि दो फिल्मों की महाकाव्य सीरीज के पहले भाग में भगवान राम की भूमिका निभाने वाले रणबीर कपूर के साथ उनके कोई सीन नहीं हैं। यह खुलासा फिल्म की भव्य रिलीज से पहले बढ़ती उत्सुकता के बीच आया है।

दोनों किरदारों के बीच के संबंध के बारे में बात करते हुए यश ने बताया कि कहानी की मेकिंग के कारण पहले भाग में दोनों अलग-अलग नजर आते हैं। उन्होंने कहा, दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म में हम दोनों कभी भी एक साथ स्क्रीन पर नहीं आए हैं। जैसा कि आप सभी जानते हैं, यह दो भागों वाली फिल्म है, इसलिए पहले भाग में रावण के रूप में मेरा अपना राज्य है और राम का अपना। उन्होंने आगे बताया कि दोनों किरदारों का आमना-सामना केवल दूसरे भाग में होगा, जो अगले साल रिलीज़ होने वाली है।

स्क्रीन स्पेस साझा न करने के बावजूद, यश ने रणबीर के बारे में गर्मजोशी से बात की और उनके काम की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, हम असल जिंदगी में कुछ बार मिले हैं, और वह एक शानदार अभिनेता हैं। मुझे लगता है कि यह आपसी सम्मान का नतीजा है। उन्होंने आगे कहा कि पूरी टीम कहानी को बेहतरीन तरीके से पेश करने पर केंद्रित है- जब आप रामायण जैसी महत्वाकांक्षी और असाधारण चीज करने निकलते हैं, तो हम सभी का एक ही लक्ष्य होता है कि हम अपना बेस्ट दें। हमारी सोच एक जैसी है, इसलिए हमारे बीच तालमेल की कोई समस्या ही नहीं है।

यश ने रावण का किरदार निभाने के अपने फैसले और इस चरित्र के पीछे के दर्शन के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि फिल्म केवल अच्छाई बनाम बुराई की कहानी नहीं है। उन्होंने कहा, रामायण की कहानी सिर्फ अच्छे या बुरे व्यक्ति के बारे में नहीं है। आप हर चीज में बेस्ट हो सकते हैं। आपके पास सभी बेहतरीन कौशल हो सकते हैं, लेकिन फिर भी आपका निर्णय मायने रखता है।

अभिनेता ने समझाया कि रावण एक व्यक्तित्व है जो उसके कर्मों से बनता है। उन्होंने आगे कहा, आप सब कुछ जानते हैं। आप संगीत में अच्छे हैं। आप शास्त्रों में अच्छे हैं, लेकिन फिर भी आपके कर्म, आपके कर्म ही आपको परिभाषित करते हैं। इसी नजरिए से मैंने इस किरदार को निभाया।

उन्होंने कहा, हम इन कहानियों को सुनते हुए बड़े हुए हैं, ये हमारी संस्कृति और बिलीव सिस्टम का हिस्सा हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात एंगल है, हर किरदार का अपना नजरिया होता है और ज्यादातर समय वे जो कर रहे होते हैं उस पर विश्वास करते हैं।

रामायण भी चर्चा का मुख्य विषय रही है। यह फिल्म दो भागों में निर्मित एक विशाल बजट और व्यापक तकनीकी उपयोग के साथ बनाई जा रही है। यश ने इस परियोजना को महत्वाकांक्षी बताया और कहा कि इसमें शामिल सभी लोग कहानी को भव्य तरीके से प्रस्तुत करने के लिए प्रयासरत हैं। पहला भाग दिवाली 2026 के दौरान रिलीज होने वाला है, जबकि दूसरा भाग दिवाली 2027 में रिलीज होगा।

आदि साई कुमार ने की नई फिल्म सायरा बानू का एलान, पहला पोस्टर भी आउट

अपनी ब्लॉकबस्टर फ़िल्म शंभला के लिए मशहूर आदि साई कुमार ने अपने अगले प्रोजेक्ट सैराबानू की घोषणा की है, जिसे फनी कृष्णा सिरिकी डायरेक्ट कर रहे हैं। इस फ़िल्म को हास्य मूवीज़ के बैनर तले राजेश डांडा प्रोड्यूस कर रहे हैं, जबकि कृष्णकांत पारुचुरी इसके को-प्रोड्यूसर हैं।

फ़िल्म के पोस्टर में एक जीवंत, सपनों जैसा रोमांटिक माहौल दिखाया गया है, जिसमें दिल के आकार का एक गुलाबी बादल और चारमीनार व विजाग बीच रोड जैसी मशहूर जगहों वाला एक शानदार नज़ारा नज़र आता है। फ़िल्म की कहानी एक अनोखी हिंदू-मुस्लिम प्रेम कहानी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें हास्य का पुट भी है और जिसकी पृष्ठभूमि राजमुंदरी और हैदराबाद है।

बांधवी श्रीधर, आदि साई कुमार के साथ फ़िल्म में मुख्य अभिनेत्री के तौर पर जुड़ गई हैं। फ़िल्म की टेक्निकल टीम में सिनेमैटोग्राफ़र के तौर पर राम रेड्डी, म्यूज़िक डायरेक्टर के तौर पर शेखर चंद्र और एडिटर के तौर पर छोटा के प्रसाद शामिल हैं। फ़िल्म की रेगुलर शूटिंग जल्द ही शुरू होगी।

आदि साई कुमार के हालिया प्रोजेक्ट्स में शनमुखा और क्रेज़ी फ़ेलो शामिल हैं, जिनमें एक अभिनेता के तौर पर उनकी बहुमुखी प्रतिभा देखने को मिली है। फ़िल्म के निर्देशक फणी कृष्णा सिरिकी ने इससे पहले क्रेज़ी फ़ेलो पर काम किया था, जो कि एक ज़बरदस्त मनोरंजक फ़िल्म थी।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

उम्र 40 साल, अब तक क्यों कुंवारी हैं शक्ति मोहन ? बताया क्यों नहीं की शादी

डांस इंडिया डांस 2 की विनर बनने के बाद शक्ति मोहन ने बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई। वो एक पॉपुलर कोरियोग्राफर होने के साथ-साथ डांस स्टूडियो की भी मालकिन हैं। हाल ही में शक्ति को सिदार्थ कन्नन के पॉडकास्ट में देखा गया। इस दौरान उन्होंने अपनी शादी और फैमिली प्लानिंग को लेकर खुलकर बात की।

शक्ति मोहन ने इस पॉडकास्ट में बताया कि आखिर 40 की उम्र में भी वो कुंवारी क्यों हैं। शक्ति ने कहा,बहुत से लोग मुझसे शादी के बारे में बहुत बार पूछते हैं। मेरे पिता ने कल ही मुझसे पूछा कि क्या मुझे कोई मिल गया है, मेरी मां चाहती हैं कि मैं किसी के साथ रहूं। वो मुझसे कहती हैं कि कम से कम एक बॉयफ्रेंड तो बना लो।

शक्ति मोहन ने अपनी बातों को आगे बढ़ाते हुए कहा,मुझे अपने काम और स्टूडियो चलाने में बहुत मजा आ रहा है। मुझे ऐसा नहीं लगता कि कुछ कमी है। ये समाज की सोच है कि जीवन में किसी का होना जरूरी है।

उन्होंने आगे कहा,अगर मैं इस तरह खुश हूं तो समस्या क्या है। अगर मुझे कोई अच्छा साथी मिल जाए तो मैं मना नहीं करूंगी, लेकिन जब कोई है ही नहीं, तो मुझे इस बारे में क्यों सोचना चाहिए।इस पॉडकास्ट में शक्ति मोहन ने कहा कि वो सिंगल हैं।

साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि उनके अंदर मदरहुड की फीलिंग भी नहीं है और कभी भी उनकी मां बनने की इच्छा नहीं हुई। शक्ति ने बताया कि दो बार उनका दिल टूट चुका था, उसके बाद उन्हें जब धोखा मिला तो उन्हें काफी परेशानी हुई।

शक्ति मोहन ने बताया,मुझे एक रिश्ते में धोखा मिला। मैंने तुरंत रिश्ता तोड़ दिया।लेकिन मेरी मां ने कहा कि वो अच्छा लड़का है, हमारा तीन साल का रिश्ता था, और मुझे इसे भूल जाना चाहिए। शक्ति मोहन ने बताया कि उनकी मां ने उनसे कहा कि लड़के ऐसे ही होते हैं और इसे स्वीकार कर लो। लेकिन, उन्होंने अपनी मां से कहा कि मैं ऐसे लड़के को अपनी लाइफ में एक्सेप्ट नहीं करूंगी। अगर लड़के ऐसे ही होते हैं तो मुझे अपनी लाइफ में कोई भी लड़का नहीं चाहिए।

बैकलेस व्हाइट आउटफिट में जाह्नवी कपूर का दिखा ग्लैमरस अंदाज

जाह्नवी कपूर एक बार फिर अपने लेटेस्ट लुक को सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी कुछ नई तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें उनका ग्लैमरस और सिजलिंग अंदाज देखने को मिल रहा है।

लेटेस्ट तस्वीरों में जाह्नवी कपूर व्हाइट कलर के आउटफिट में दिखाई दे रही हैं,जो बैकलेस डिजाइन का है।तस्वीरों में एक्ट्रेस बेहद ही स्टाइलिश और एलीगेंट लग रही हैं।

जाह्नवी कपूर ने अपने आउटफिट को काफी ग्रेसफुली कैरी किया हुआ है, लेकिन बैकलेस स्टाइल ने उनके पूरे लुक को ग्लैमरस टच दिया है। सोशल मीडिया पर जैसे ही ये तस्वीरें शेयर की गईं, वो वायरल होने लगीं।

फैंस को जाह्नवी कपूर का ये नया अवतार बेहद पसंद आ रहा है। फैंस से लेकर सेलेब्स तक उनके इस लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं। फैंस उनके लुक को स्टनिंग और गॉर्जियस बता रहे हैं।

फैंस जाह्नवी के कॉन्फिडेंस और फैशन सेंस की जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक्ट्रेस हमेशा ही अपने फैशन चॉइस को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं।

जाह्नवी कपूर अक्सर ट्रेडिशनल से लेकर वेस्टर्न आउटफिट्स तक में एक्सपेरिमेंट करती नजर आती हैं और हर बार अपने लुक से फैंस को इंप्रेस करती हैं।

इस बार भी उन्होंने सिंपल व्हाइट आउटफिट को एक ग्लैमरस और ट्रेंडी स्टाइल में पेश कर सबका ध्यान अपनी तरफ खींच लिया है।

वर्क फ्रंट की बात करें तो आखिरी बार जाह्नवी कपूर को 2025 में रिलीज हुई रोमांटिक कॉमेडी फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में देखा गया था।इससे पहले वो मिस्टर एंड मिसेज माही और उलझ जैसी फिल्मों में नजर आई थीं।

जाह्नवी कपूर जल्द ही राम चरण के संग पेद्दी में नजर आएंगी। इसके अलावा वो लग जा गले नाम के प्रोजेक्ट पर भी काम कर रही हैं।

शहर में बेपटरी ट्रैफिक ने बढ़ाई मुश्किल

ऋषिकेश(आरएनएस)। शहर में यात्री वाहनों का दबाव बढ़ने से ट्रैफिक बेपटरी हो गया। जाम लगने से बाईपास से लेकर मुख्य मार्ग तक आवाजाही में न सिर्फ यात्रियों, बल्कि पर्यटक और स्थानीय लोगों को भी जूझना पड़ा। जाम का यह सिलसिला रात करीब आठ बजे तक चला। चारधाम यात्री भारी संख्या में ऋषिकेश से होकर गुजरे। साहसिक पर्यटन राफ्टिंग के लिए दिल्ली, एनसीआर, हरियाणा और आसपास के राज्यों से पर्यटकों की भीड़ पहुंची, जिसके चलते पहले हरिद्वार बाईपास मार्ग स्थित गौरा देवी चौक से इंद्रमणि बडोनी चौक के बीच ट्रैफिक फंस गया। यहां कभी जाम, तो कभी स्लो ट्रैफिक की समस्या बनी रही। जाम में वाहन सवार यात्री व पर्यटक गरमी में परेशान होते दिखे। कुछ पर्यटक वाहनों ने जाम से बचने के लिए शहर के मुख्य मार्ग का रुख किया तो पहले ही संकरे मार्ग पर दबाव बढ़ते ही जाम के हालात बन गए। भीड़भाड़ में सवारी वाहनों के फंसने के चलते गर्मी में यात्री पसीना-पसीना भी होते दिखे।मुख्य मार्ग पर बेपटरी ट्रैफिक से आंतरिक मार्गों पर भी आवागमन प्रभावित हुआ। शाम छह बजे के बाद स्थिति यह रही कि घाट चौक, दून तिराहा और चंद्रभागा पुल तिराहे पर लोगों को ठीक से पैदल चलने के लिए भी सड़क पर जगह नसीब नहीं हुई। यातायात निरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि वाहनों का दबाव बढ़ने पर श्यामपुर से यात्री और पर्यटक हरिद्वार बाइपास मार्ग पर डायवर्ट किया गया। वाहनों की अधिक भीड़ की वजह से इस तरह की समस्या पैदा हुई। बावजूद, पुलिस यातायात को सुचारू रखने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है।

सिलेंडर की कीमतों पर व्यापार मंडल ने जताया विरोध

हल्द्वानी(आरएनएस)। सशक्त एकता उद्योग व्यापार मंडल ने मजदूर दिवस पर कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में अचानक हुई बड़ी बढ़ोतरी के खिलाफ विरोध जताया है। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि ?993 रुपये तक की बढ़ोतरी ने छोटे व्यापारियों, फड़-ठेले वालों और आम जनता की कमर तोड़ दी है।भुवन भट्ट ने कहा कि यह बढ़ोतरी आम लोगों की थाली पर सीधा असर डालेगी और छोटे कारोबारियों के लिए व्यवसाय चलाना मुश्किल हो जाएगा। तरुण वानखेड़े ने बताया कि होटल और रेस्टोरेंट क्षेत्र में खाने-पीने की कीमतें बढ़ेंगी और ग्राहकों की संख्या में गिरावट आ सकती है। सीमा बत्रा ने चिंता जताते हुए कहा कि प्रवासी मजदूरों और छात्रों के लिए जीवन-यापन और महंगा हो जाएगा। तेज सिंह कार्की ने आरोप लगाया कि इससे महंगाई की लहर और तेज होगी, जिससे सभी आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ेंगे। ज्योति अवस्थी ने इसे 'चुनावी तोहफा' बताते हुए सरकार पर तंज कसा, जबकि संजय त्यागी ने तेल कंपनियों और सरकार पर मिलीभगत का आरोप लगाया। संजय बिष्ट ने कहा कि व्यापारी पहले से ही कई टैक्सों के बोझ तले दबे हैं और अब गैस की बढ़ी कीमतें स्थिति को और खराब करेंगी। संगठन ने सरकार से बढ़ी हुई कीमतों को वापस लेने और जनता को राहत देने की मांग की है।

सू- दोकू क्र.021

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 20 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3		2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

मेलाधिकारी ने कुंभ मेले से संबंधित तैयारियों एवं प्रस्तावित कार्यों का जायजा लिया

हरिद्वार(आरएनएस)। हरिद्वार में अगले वर्ष आयोजित होने वाले कुंभ मेले की तैयारियों को लेकर मेला प्रशासन ने कुंभ नगरी को सजाने-संवारने की मुहिम तेज कर दी है।

मेलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने इस मुहिम के तहत दिन भर अनेक क्षेत्रों का पैदल भ्रमण कर कुंभ मेले से संबंधित तैयारियों एवं प्रस्तावित कार्यों का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान मेलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रस्तावित कार्यों को समयबद्ध ढंग से धरातल पर उतारा जाए। उन्होंने कहा कि कुंभ क्षेत्र में सौंदर्यीकरण के साथ-साथ सुगमता, स्वच्छता और सुरक्षा सुनिश्चित करना शासन-प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने क्षेत्र के व्यापारियों एवं अन्य हितधारकों से बातचीत कर उनके सुझाव भी लिए। इस दौरान मेलाधिकारी ने बुद्ध पूर्णिमा स्नान के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से हरिद्वार पहुंचे श्रद्धालुओं से भी संवाद किया, उन्हें आगामी कुंभ मेले का आमंत्रण दिया तथा व्यवस्थाओं के संबंध में फीडबैक लिया। शुक्रवार दोपहर मेलाधिकारी ने तुलसी चौक, रेलवे स्टेशन, अपर रोड और हरकी पैड़ी क्षेत्र का पैदल निरीक्षण कर वहां चल रहे और प्रस्तावित कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने सीवरेज लाइन निर्माण एवं सड़कों के अनुरक्षण से जुड़े कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि कुंभ मेले के अंतर्गत इस क्षेत्र की आंतरिक सड़कों और गलियों का भी सुधार किया जाएगा। व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों एवं अन्य हितधारकों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि कुंभ नगरी को स्वच्छ, सुंदर और सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। श्रद्धालुओं की अधिक आवाजाही वाले क्षेत्रों में सौंदर्यीकरण के साथ भवनों के अग्रभाग (फसाड) को भी संवारा जाएगा। मेलाधिकारी ने मनसा देवी पैदल मार्ग एवं मंदिर परिसर का निरीक्षण कर स्वीकृत कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही पैदल मार्ग पर सुरक्षा और सौंदर्यीकरण से जुड़े कार्यों को भी प्राथमिकता देने को कहा। उन्होंने बताया कि मनसा देवी मंदिर परिसर का भी कुंभ मेले के तहत सौंदर्यीकरण किया जाएगा। मेलाधिकारी ने हरकी पैड़ी क्षेत्र के घाटों और पुलों सहित भीमगोडा पुल, हाथी पुल, ललतारौ पुल, बाल्मीकि चौक, निरंजनी अखाड़ा मार्ग एवं आसपास के घाटों का निरीक्षण किया।

उन्होंने इन स्थानों पर बेहतर अनुरक्षण के निर्देश देते हुए कहा कि कुंभ मेले के लिए हरिद्वार के हेरिटेज मार्गों तथा साधु-संतों की पेशवाई और अमृत स्नान मार्गों को विशेष रूप से विकसित किया जा रहा है। मेलाधिकारी ने विभिन्न स्थानों पर जनसुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए और कहा कि कुंभ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराई जाएंगी। इस दौरान हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण के सचिव श्री मनीष कुमार एवं परियोजना क्रियान्वयन इकाई के अधिशासी अभियंता प्रवीण कुश भी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय दलों से त्रस्त जनता 2027 में करेगी बदलाव- उक्रांद

हरिद्वार(आरएनएस)। उत्तराखंड क्रांति दल (उक्रांद) जिला और महानगर हरिद्वार की बैठक भूपतवाला स्थित कैंप कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता व्यापार प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष सुमित अरोड़ा ने की, जबकि संचालन जिलाध्यक्ष गोकुल सिंह रावत ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए सुमित अरोड़ा ने कहा कि प्रदेश की जनता राष्ट्रीय दलों से त्रस्त हो चुकी है। पिछले 25 वर्षों में भ्रष्टाचार, पलायन, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़कों जैसी मूलभूत समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में तेजी से लोग उक्रांद से जुड़ रहे हैं और 2027 के विधानसभा चुनाव में बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा।जिलाध्यक्ष गोकुल सिंह रावत ने कहा कि राष्ट्रीय दलों ने हरिद्वार की जनता का शोषण किया है और बाहरी लोगों को बसाने का कार्य किया है।

पौड़ी में पेयजल-सीवर शिकायतों के लिए कंट्रोल रूम सक्रिय

पौड़ी(आरएनएस)। गर्मी के सीजन को देखते हुए जनपद में पेयजल और सीवर संबंधी शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए जल संस्थान की ओर से शाखा स्तर पर कंट्रोल रूम सक्रिय किए गए हैं। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने अधिकारियों को गर्मी के दौरान कहीं भी पेयजल संकट उत्पन्न न होने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को आपूर्ति व्यवस्था पर सतत निगरानी रखने, शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करने और व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने को कहा है। साथ ही लापरवाही मिलने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। जल संस्थान ने बताया कि इन कंट्रोल रूम का उद्देश्य गर्मियों में जल संकट टालना और सीवर समस्याओं का निवारण करना है। सभी कंट्रोल रूम में शिकायतों के पंजीकरण के लिए अलग पंजिका रखी जाएगी। इससे प्रत्येक शिकायत का रिकॉर्ड दर्ज होगा और पारदर्शिता बनी रहेगी। अधीक्षण अभियंता जल संस्थान प्रवीण सैनी ने बताया कि पौड़ी शाखा में कंट्रोल रूम का दूरभाष नंबर ०1368-222०15 निर्धारित किया गया है। यहां प्राप्त शिकायतों को तुरंत संबंधित अभियंताओं तक पहुंचाया जाएगा, जो त्वरित निस्तारण कर रिपोर्ट कंट्रोल रूम को देंगे। कंट्रोल रूम प्रभारी के रूप में सहायक अभियंता सुशील कुमार को नामित किया गया है, जो शिकायतों की दैनिक समीक्षा करेंगे। शिफ्टवार तैनाती में सौरभ गोदियाल, विवेक भट्ट और हरीश सिंह सेवाएं देंगे। इसके अलावा कोटद्वार शाखा में भी कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जिसका नंबर ०1382-222219 है। अधिशासी अभियंता जल संस्थान अभिषेक कुमार वर्मा ने बताया कि सहायक लाइनमैन मंजू रौतेला और संजय सिंह की तैनाती दी गई है। यह व्यवस्था कोटद्वार के निवासियों को समस्याओं के त्वरित समाधान में मदद करेगी।

डेढ़ साल बाद घंटाकर्ण मंदिर परिसर में फिर शुरू हुई पानी की आपूर्ति

नई टिहरी(आरएनएस)। गजा तहसील के घंडियाल डांडा स्थित घंटाकर्ण मंदिर में पेयजल संकट से जूझ रहे श्रद्धालुओं और मंदिर समिति को आखिरकार राहत मिल गई है। करीब डेढ़ वर्ष से ठप पड़ी पेयजल आपूर्ति अब फिर से सुचारु हो गई है।

घंटाकर्ण मंदिर परिसर में पानी की कमी लंबे समय से बड़ी समस्या बनी हुई थी। दिसंबर 2०24 में पंपिंग योजना की मोटरें जलने के बाद आपूर्ति पूरी तरह से बाधित हो गई थी। घंटाकर्ण मंदिर तक पानी पहुंचाना काफी चुनौतीपूर्ण रहा है। वर्ष 2०2० में तत्कालीन जिला पंचायत अध्यक्ष सोना सजवाण की पहल पर सोलर पंपिंग सिस्टम के जरिये मंदिर तक पेयजल पहुंचाने की व्यवस्था की गई थी। इससे कुछ समय तक राहत मिली लेकिन दिसंबर 2०24 में पंपिंग योजना की मोटरें जलने से पूरी व्यवस्था ठप हो गई। इसके बाद मंदिर में पानी की आपूर्ति पूरी तरह बंद हो गई थी। इस कारण श्रद्धालुओं के साथ ही मंदिर समिति को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। इसके चलते मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को अपने साथ ही पानी लाना पड़ रहा था। मंदिर की दैनिक व्यवस्थाएं भी प्रभावित हो रही थीं। कई बार दूरस्थ स्रोतों से पानी ढोकर लाना पड़ता था। स्थिति गंभीर होने पर मंदिर समिति ने गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी से पेयजल और बिजली व्यवस्था बहाल करने की मांग की। स्थानीय लोगों की मांग पर सांसद निधि से छह लाख रुपये की धनराशि जारी की गई थी। फरवरी 2०25 में जिला ग्राम्य विकास अभिकरण (डीआरडीए) ने धनराशि जारी करते हुए घंटाकर्ण धाम ट्रस्ट को कार्यदायी संस्था के रूप में मरम्मत कार्य की अनुमति दी। ट्रस्ट की ओर से पंपिंग योजना की मरम्मत कराई गई। कखरियाली तोक के पेयजल स्रोत से करीब दो किमी लंबी खड़ी पाइपलाइन के माध्यम से पानी को टैंक तक पहुंचाया गया जहां से मंदिर तक आपूर्ति की जा रही है। घंटाकर्ण मंदिर समिति के अध्यक्ष विजय प्रकाश बिजल्वाण ने बताया कि हाल ही में मंदिर में पेयजल आपूर्ति फिर से सुचारु हो गई है जिससे श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को राहत मिली है। इसके साथ ही मंदिर में नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तीन किलोवाट का सोलर प्लांट भी स्थापित किया गया है।

संयुक्त नागरिक संगठन ने किया मंत्री खजानदास से संवाद

संवाददाता

देहरादून। संयुक्त नागरिक संगठन ने समाज कल्याण मंत्री खजान दास से उनके कार्यालय में मुलाकात कर वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं से अवगत कराया।

आज यहां संयुक्त नागरिक संगठन की पहल पर समाज कल्याण मंत्री खजान दास के कार्यालय में आयोजित संवाद में कैबिनेट मंत्री ने आश्वासन दिया कि वरिष्ठ नागरिकों की जिंदगी और संपत्ति के संरक्षण हेतु उत्तराखंड में लागू नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सभी जनपदों में वरिष्ठ नागरिकों की जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समितियों का शीघ्र गठन किया जाएगा। जनपदों के पुलिस अधीक्षको को भी थाना स्तर पर वरिष्ठ नागरिकों के साथ नियमानुसार माहवार बैठके आयोजित कर इनकी दिक्कतो को दूर करने हेतु निर्देश दिए जाएंगे। संवाद के अध्यक्षता संगठन संरक्षक डॉक्टर एस फारूक ने की और संचालन देवेंद्र पाल मोंटी ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों के हित में कार्यरत सामाजिक संस्थाओं तथा रेजिडेंट वेलफेयर समितियों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। संवाद में वरिष्ठ नागरिकों ने सरकारी कार्यालयों, पुलिस विभाग, अस्पताल,रोडवेज स्टेशन,आदि स्थानों में में इनकी वृद्धावस्था को दृष्टिगत रखते हुए सम्मानपूर्वक प्राथमिकता दिए जाने के विषय भी प्रस्तुत किए। इन्होंने सचिवालय में भी सीनियर सिटीजन कार्ड के आधार प्रवेश दिए जाने की भी मांग की। कैबिनेट मंत्री ने समितियां के गठन के बाद इन दिक्कतों के समाधान का आश्वासन भी दिया। संवाद में गिरीश चंद्र भट्ट, नरेश चंद्र कुलाश्री, मुकेश नारायण शर्मा, दिनेश भंडारी,लेफ्टिनेंट जनरल अश्वनी कुमार बख्शी, खुशवीर सिंह, सुशील त्यागी, प्रकाश नागिया, डॉ दिनेश सक्सेना, केशव चंद्र उनियाल, डॉ राकेश डंगवाल, रजनीश मित्तल, एल आर कोठियाल, जसवीर सिंह रेनोत्रा, ठाकुर शेर सिंह, एसके गुप्ता आदि शामिल थे।

दुकान से नगदी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दुकान से नगदी व चांदी के सिक्के चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार आढत बाजार निवासी मनोज कुमार बसंल ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि चोरों ने उसकी दुकान से 40 हजार रूपये नगद व 15 चांदी के सिक्के चोरी कर लिये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

'आस्था' के द्वार से 'सियासी' ...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

गढ़वाल के चंबा में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगी। इस तरह करीब 5 से 6 दिनों के इस दौरे में वह पौड़ी, रुद्रप्रयाग, चमोली और टिहरी जैसे महत्वपूर्ण जिलों में जाकर संगठन की स्थिति का आकलन करेंगी और कार्यकर्ताओं की नब्ज टटोलेंगी। हालांकि इस पूरे दौरे का सबसे अहम पहलू बदरीनाथ और केदारनाथ धाम में होने वाले कार्यक्रम हैं। यह केवल धार्मिक यात्रा नहीं है, बल्कि इसके जरिए कांग्रेस एक बड़ा राजनीतिक संदेश देने की कोशिश कर रही है कि वह भी आस्था और परंपरा के साथ खड़ी है और जनता की भावनाओं को समझती है।

उत्तराखंड की राजनीति में अब तक भाजपा को ही धर्म के मोर्चे पर मजबूत माना जाता रहा है, लेकिन कांग्रेस ने बदरीनाथ और केदारनाथ धाम से अपने अभियान की शुरुआत कर यह साफ कर दिया है कि वह अब गढ़वाल के धार्मिक महत्व को अपनी सियासत का मुख्य आधार बनाने जा रही है। यह महज एक यात्रा नहीं, बल्कि देवभूमि के जनमानस को यह बताने की कोशिश है कि आस्था पर किसी का एकाधिकार नहीं है।

मेंटल हेल्थ हैप्पीनेस क्लब द्वारा किया...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

सिकन्दर के उदाहरण द्वारा उन्होंने बताया कि सभी खाली हाथ आये हैं और खाली हाथ जाएंगे।आजकल सबसे अनमोल खुशी है जो किसी भी धन से खरीदी नहीं जा सकती।हम सबको कृपालु होना चाहिए।

कार्यक्रम में प्रो0 अमिता चौरसिया प्रो0 शैलजा , प्रो0 भरत राजपूत, प्रो0सरबजीत यादव,प्रो0रविन्द्र सैनी,प्रो0हेमलता सैनी,प्रो0पुनम रौतेला,प्रो0मनोज पांडेय,डॉ शलभ गुप्ता, डॉ कमला बोरा,डॉ प्रदीप गंगवारडॉ राजेश कुमार मौर्य,डॉ अपर्णा,डॉ अकिंता चन्दोला,डॉ नडॉ रूमा शाह,डॉ पुनम शाह ,डॉ वकार हसन,डॉ सुनील मौर्या, डॉ निमिता,डॉ सुमन,नीलम जोशी नितिका शिवानी एवं अन्य समस्त प्राध्यापकगण छात्र छात्राएं कार्यक्रम में उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन एवं अतिथियों का धन्यवाद डॉ बसुन्धरा उपाध्याय द्वारा दिया गया।

राज्य में एक तरफ अपराधी हावी है वहीं पुलिस भी अत्याचारी हो गयी हैः आप

संवाददाता

देहरादून। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता हरि सिंह ने कहा कि उत्तराखण्ड में आम आदमी की दोहरी मौत हो रही है जहां एक तरफ अपराधी हावी है वहीं पुलिस भी अत्याचारी हो गयी है।

आम आदमी पार्टी उत्तराखंड के वरिष्ठ नेता हरि सिंह ने कहा कि उत्तराखंड में कानून-व्यवस्था की स्थिति दिन-प्रतिदिन चिंताजनक होती जा रही है। जिस पुलिस को "मित्र पुलिस" कहा जाता है, आज वही आम नागरिकों के लिए भय का कारण बन चुकी है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि उत्तराखंड पुलिस अपने टैगलाइन "मित्र पुलिस" को बदलकर "दुश्मन पुलिस" कर ले, क्योंकि उनका व्यवहार जनता के प्रति मित्रवत नहीं बल्कि दमनकारी हो गया है। उन्होंने कहा कि आज उत्तराखंड पुलिस आम नागरिकों को अपराधियों की तरह ट्रीट करती है। पुलिस के पास युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों के साथ संवेदनशील व्यवहार करने की कोई ट्रेनिंग नजर नहीं आती। उन्हें केवल आम जनता को प्रताड़ित करना और थर्ड डिग्री देना ही आता है। सतपुली की घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है, जहां पंकज नामक युवक को पुलिस द्वारा थर्ड डिग्री देने के आरोप लगे, जिसके चलते उसने आत्महत्या जैसा कदम उठाया। यह सिर्फ आत्महत्या नहीं, बल्कि पुलिस प्रताड़ना से प्रेरित एक संस्थागत हत्या है। इसी तरह, देहरादून के रायपुर थाना में पीआरडी जवान सुनील रतूड़ी की लॉकअप के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई, जिसे पुलिस आत्महत्या बता रही है, जबकि परिजन इसे हत्या मानते हुए दोषी पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। नैनीताल के खैरना निवासी बालम बिष्ट के परिजनों ने पुलिस पर मारपीट और अमानवीय व्यवहार का आरोप लगाया, जिसके बाद उन्होंने आत्महत्या की। टिहरी के लम्बगांव में केशव थलवाल ने भी पुलिस द्वारा जबरन उठाकर चौकी में अमानवीय व्यवहार करने के गंभीर आरोप लगाए। इतना ही नहीं, प्रेमनगर में छात्रों पर पुलिस द्वारा किया गया लाठीचार्ज भी पुलिस की असंवेदनशीलता को दर्शाता है। छात्रों को समझाने के बजाय उन पर लाठियां बरसाई गईं, जिसके वीडियो पूरे प्रदेश में आक्रोश पैदा कर रहे हैं। इन लगातार घटनाओं से स्पष्ट है कि उत्तराखंड पुलिस में न तो जवाबदेही है और न ही मानवीय दृष्टिकोण, ये सभी घटनाएं साफ दर्शाती हैं कि उत्तराखंड में पुलिस तंत्र पूरी तरह से बेलगाम हो चुका है और आम जनता के अधिकारों का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है। आम आदमी पार्टी की मांग है कि सतपुली के पंकज प्रकरण की जांच किसी वर्तमान (सिटिंग) हाईकोर्ट जज की निगरानी में कराई जाए। इस मामले में दोषी पुलिसकर्मियों को तुरंत गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए। रायपुर थाना प्रकरण (सुनील रतूड़ी) की भी निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और डीजीपी दीपम सेठ इस विफल पुलिसिंग पर सार्वजनिक बयान दें और प्रदेश की जनता को जवाब दें। हरि सिंह ने कहा कि अगर जल्द ही इन घटनाओं पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो आम आदमी पार्टी सड़कों पर उतरकर जन आंदोलन करेगी और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए हर संभव संघर्ष करेगी।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार की मौत

देहरादून (सं)। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार की मौत होने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार लक्सर हरिद्वार निवासी सोनी ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पति सुनील कुमार अपनी मोटरसाईकिल से घर की तरफ आ रहे थे। जब वह रायवाला पुराने अण्डपास के पास पहुंचे तभी अज्ञात वाहन ने उनको अपनी चपेट में ले लिया जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गयी।

लाइसेंस नियमों का उल्लंघन करने वाले मांस विक्रेताओं पर कार्रवाई

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। लाइसेंस नियमों का उल्लंघन करने वाले मांस विक्रेताओं पर पुलिस द्वारा चालानी कार्यवाही की गयी है। जिनसे 2250 रुपये संयोजन शुल्क वसूला गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली पिथौरागढ़ से उ.नि. ललित डंगवाल मय पुलिस टीम द्वारा क्षेत्रांतर्गत मांस विक्रेताओं की चैकिंग की गई। चैकिंग के दौरान खुले में पशुओं का कटा मांस रखने, पशुओं के कटे अंगों का प्रदर्शन करने तथा लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन करने वाले कुल 9 मांस विक्रेताओं के विरुद्ध धारा 81 उत्तराखंड पुलिस अधिनियम के अंतर्गत चालानी कार्रवाई कर 2250 रूपये संयोजन शुल्क वसूला गया। साथ ही सभी संबंधित विक्रेताओं को भविष्य में मांस को जालीदार डिब्बों में ढंककर रखने, पशुओं के कटे अंगों का सार्वजनिक प्रदर्शन न करने तथा लाइसेंस नियमों का पूर्ण पालन करने हेतु सख्त निर्देश दिए गए।

बाइक चोरी गैंग का पर्दाफाश, 2 शातिर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। बाइक चोरी गैंग का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने दो शातिरों को गिरफ्तार कर लिया है जिनके कब्जे से चुरायी गयी बाइक बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती 1 मई को विशांत टम्टा निवासी हल्दूचौड़, लालकुआं द्वारा कोतवाली हल्द्वानी में तहरीर देकर बताया गया था कि उनकी मोटरसाइकिल बजाज पल्सर जो 29 अप्रैल को सुशीला तिवारी अस्पताल गेट के सामने खड़ी की गई थी, अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ली गई है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज का गहन निरीक्षण किया गया, जिसमें दो संदिग्ध एक स्कूटी से आते दिखाई दिए। एक आरोपी द्वारा मोटरसाइकिल का लॉक तोड़कर उसे चोरी कर ले जाया गया। सटीक सुरागरसी और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पुलिस ने बीती रात दो आरोपियों को

गिरफ्तार कर लिया गया। जिन्होने पूछताछ में अपना नाम दलवीर सिंह (55 वर्ष), निवासी बिजली कॉलोनी, नानकमत्ता, उधमसिंहनगर व संजय कालरा (38 वर्ष), निवासी आदर्श कॉलोनी, रुद्रपुर, उधमसिंहनगर बताया। आरोपियों ने चोरी की घटना स्वीकार करते हुए बताया कि चोरी की गई मोटरसाइकिल को नेपाल में बेच दिया गया है। साथ ही पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर एक अन्य चोरी की बुलेट मोटरसाइकिल जो पूर्व में पंजीकृत एफआईआर संख्या 390/2025 से संबंधित थी, थाना बनभूलपुरा क्षेत्र से बरामद की गई है। बहरहाल पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

फरार चल रहे हत्यारे गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। पुरानी रंजिश के चलते बिनारसी गांव में हुई हत्या के मामले में लम्बे समय से फरार चल रहे दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बिनारसी गांव में रविदास जयंती के दिन दो हत्यायें हुई थी जिसमें दोनो पक्षों की ओर से हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया था।

बीती 1 फरवरी को रविदास जयंती शोभायात्रा सकुशल संपन्न होने के उपरान्त शाम को समय करीब पांच बजे पुरानी रंजिश को लेकर आरोपी विशाल द्वारा अपने सह आरोपियों के साथ मिलकर गाँव के ही युवक आनंद की गोली मारकर हत्या कर दी थी। जिसके पश्चात आनंद के परिजनों व उसके परिवार के अन्य लोगों द्वारा आक्रोशित होकर विशाल पक्ष के मांगेराम पुत्र चमनलाल उम्र 55 वर्ष की लाठी डंडों से पीटकर हत्या कर दी गयी थी तथा विशाल पक्ष के लोगों के घरों में आगजनी कर तोडफोड़ कर शान्ति व्यवस्था भंग की गयी थी। जिस पर दोनों पक्षों की तहरीर पर थाना भगवानपुर पर सम्बंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कए गए। मृतक मांगेराम के पुत्र जोनी की तहरीर पर आरोपी अनुज पुत्र चन्द्रपाल, टिकू पुत्र समय सिंह, रोहित पुत्र पदम, असकेन्द्र पुत्र रामपाल, अवनेश उर्फ हनुमान पुत्र गिरधारी लाल, मोहित पुत्र मुनेश, विकास पुत्र लक्ष्मीचन्द देशराज पुत्र बुद्धु राणा, अशोक पुत्र अतर सिंह, रामानन्द पुत्र इलमचन्द, बबलेश पुत्र सतपाल, भवानी पुत्र पाले राम, हुम्मलाल पुत्र अतर सिंह, प्रमोद पुत्र शोभाराम, अक्षय पुत्र पप्पू, सुनील पुत्र पदम, भूपेन्द्र पुत्र रामपाल, जोनी पुत्र सूरत सिंह अन्य निवासी गण बिनारसी के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया। मृतक आनंद के पिता लक्ष्मीचंद की तहरीर पर आरोपी विशाल पुत्र शेर सिंह, हिमांशु पुत्र तराचंद, सौरभ पुत्र मनीराम, विनीत पुत्र देशपाल, निखिल पुत्र टीटू, विकसित पुत्र टीटू, प्रिंस पुत्र शेर सिंह के विरुद्ध थाना भगवानपुर पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था तथा जिस पर गाठित पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुये दोनो पक्षो से वर्तमान तक 17 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया था। घटना में फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी। जिनमें से दो बदमाशों मनीष पुत्र रामबतोरा निवासी ग्राम बिनारसी थाना भगवानपुर जनपद हरिद्वार उम्र 42 वर्ष व सुमित पुत्र लाखन सिंह को चुडियाला ईट भट्टे के पास से गिरफ्तार कर लिया गया है।

मसूरी में दिल्ली व लोकल के बीच जमकर मारपीट

हमारे संवाददाता

देहरादून। मसूरी में बीती देर शाम मॉल रोड बैरियर पर जबरदस्त हंगामा हो गया। दिल्ली से आए एक पर्यटक ने प्रतिबंधित समय में मॉल रोड के अंदर वाहन ले जाने की जिद पकड़ ली। विवाद इतना बढ़ गया कि पर्यटक दंपति और स्थानीय दंपति के बीच जमकर मारपीट हो गई। घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई और पुलिस को स्थिति संभालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। दोनों दंपतियों के बीच जमकर गाली-गलौज और लात-घूंसे चले। स्थानीय लोगों और पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद दोनों को अलग किया।

प्राप्त जानकारीं के अनुसार, दिल्ली से आया पर्यटक अपनी पत्नी और बच्चों के साथ मॉल रोड बैरियर पर पहुंचा था। ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों ने उसे बताया कि प्रतिबंधित समय में मॉल रोड पर वाहनों की एंट्री पूरी तरह बंद है और वाहन को पार्किंग में खड़ा कर पैदल जाना होगा। लेकिन पर्यटक वाहन अंदर ले जाने की जिद पर अड़ गया। बताया जा रहा है कि पर्यटक ने बैरियर के पास ही वाहन खड़ा कर दिया और करीब साढ़े पांच घंटे तक वहीं बैठा रहा, जिससे सड़क पर लंबा जाम लग गया।

देर शाम स्थानीय दंपति और लोग वहां पहुंचे और सड़क से वाहन हटाने का अनुरोध किया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। आरोप है कि पर्यटक और उसकी पत्नी वाहन से उतरकर स्थानीय व्यक्ति पर चप्पलों से हमला करने लगे, जिसके बाद उसकी पत्नी भी उलझ पड़ी। दोनों पक्षों के बीच जमकर लात-घूंसे चले। महिलाओं के बीच भी धक्का-मुक्की और हाथापाई हुई। घटना के दौरान मॉल रोड बैरियर क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर मसूरी पुलिस मौके पर पहुंची और काफी प्रयास के बाद दोनों पक्षों को शांत कराया। बाद में पुलिस दोनों पक्षों को मसूरी कोतवाली ले गई, जहां देर रात तक एक-दूसरे के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने को लेकर बहस चलती रही। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पर्यटन सीजन में बढ़ती अव्यवस्था और नियमों की अनदेखी पर चिंता जताई है।

अग्निवीर योजना के खिलाफ चल रहे आंदोलन का रथ कुमाऊँ-मंडल रवाना

देहरादून (सं)। अग्निवीर योजना के खिलाफ चल रहे उत्तराखंड कांग्रेस के पूर्व सैनिक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष कर्नल राम रतन नेगी के नेतृत्व में राज्यव्यापी आंदोलन के चतुर्थ चरण का शुभारंभ कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल व पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने आंदोलन यात्रा रथ को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। कर्नल नेगी ने कहा कांग्रेस के इस राज्यव्यापी आंदोलन में उत्तराखंड कांग्रेस के सभी शीर्ष नेतृत्व ने अपनी भरपूर भागीदारी निभाई दो यात्राऐं हम गढ़वाल मंडल और एक यात्रा कुमाऊँ-मंडल में कर चुकें हैं जिसको भारी जनसमर्थन मिला अब चतुर्थ चरण की यह कुमाऊँ-मंडल की है जिसकी 8 सदस्यीय यात्रा टीम खटीमा , चम्पावत, पिथौरागढ, बागेश्वर, व नैनीताल से कांग्रेस के पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं , आमजन व प्रेस से संवाद स्थापित करते हुए 9 मई के देहरादून पहुंचेंगे।

वायरल पत्र से मेरा कोई लेना-देना नहीं: अरविंद पाण्डेय

संवाददाता

देहरादून। भाजपा नेता व विधायक अरविन्द पाण्डेय ने कहा कि उनके नाम से जो पत्र वायरल हुआ है उससे उनका कोई लेना देना नहीं है।

आज यहां भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते हुए अरविन्द पाण्डेय न` कहा कि देश को कमल के फूल की आवश्यकता है। आज पांच राज्यों में हुए चुनाव परिणामों ने इसे सिद्ध कर दिया है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने जो पत्र वायरल किया है उससे उनका कोई लेना देना नहीं है। वह पत्र गलत है तो उसमें लिखी बातें भी गलत ही होगी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सोशल मीडिया में वायरल पत्र से उनका कोई लेना देना नहीं है।

विदित हो कि इन दिनों भाजपा विधायक अरविंद पाण्डेय व सरकार के बीच अंदरूनी खींचतान चल रही है। पिछले दिनों भाजपा विधायक का खनन को लेकर सरकार से कुछ मनमुटाव हुआ था जिसके बाद उनका एक कार्यालय को प्रशासन द्वारा नोटिस जारी कर उसे अवैध करार दिया गया था। ऐसे में उनके नाम से एक पत्र सोशल मीडिया में जारी होने पर उन्होने आज राजधानी देहरादून स्थित प्रदेश कार्यलय में पत्रकार वार्ता कर इस पत्र के विषय में खंडन जारी कर दिया गया है।

ट्रक की चपेट में आकर स्कूटी सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। ट्रक की चपेट में आकर स्कूटी सवार की मौत होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुद्धोवाला निवासी राजीव बसंल ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका भतीजा हिमांशु अपनी स्कूटी से घर की तरफ आ रहा था जब वह शेरपुर चौकी सभावाला के पास पहुंचा तभी सामने से आ रहे ट्रक ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पर्वतों से 2027 की जंग में परिवर्तन की लहर

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में सियासत में पारा चढ़ने लगा है। आगामी विधानसभा चुनावों के लिए विपक्षी दल कांग्रेस ने कमर कस ली है। कांग्रेस प्रदेश सरकार को पलायन, बेरोजगारी, अग्निपथ योजना,

●कांग्रेस पार्टी की बड़े नेता की उत्तराखंड में बड़ी रैली करने की तैयारी
●आक्रामक होकर कांग्रेस सत्ता पक्ष को हर मोर्चे पर देगी बड़ी चुनौती
●युवा और महिला मोर्चा को भी सक्रिय भूमिका में लाने की रणनीति

भ्रष्टाचार, पेपर लीक, बढ़ती महंगाई, अंकिता भंडारी जैसे मुद्दों पर हमलावर रुख अपनाए हुए है।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस अपने बड़े नेता की उत्तराखंड में बड़ी रैलियां करने की तैयारी में हैं। इसके जरिए कांग्रेस राज्य की जनता को बदलाव का संदेश देने की कोशिश करेगी। वैसे भी कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा ने स्पष्ट किया है कि पार्टी इस बार जमीन से जुड़े चेहरों पर दांव लगाएगी। देहरादून के राजपुर रोड स्थित कांग्रेस मुख्यालय में हुई हालिया बैठक में साफ संदेश हर बूथ, कांग्रेस मजबूत दिया गया।

पार्टी नेतृत्व ने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर विशेष ध्यान देना शुरू कर दिया है। जिला और ब्लाक स्तर पर कार्यकर्ताओं की बैठकें लगातार आयोजित की जा रही हैं, ताकि चुनावी तैयारियों को धार दी जा सके। युवा और महिला मोर्चा को भी सक्रिय भूमिका में लाने की रणनीति बनाई जा रही है।

भाजपा ने देवभूमि को केवल नारों में उलझाया है। हम काम की राजनीति और पहाड़ की जवानी को बचाने के संकल्प के साथ मैदान में उतर रहे हैं। जनता बदलाव का मन बना चुकी है।
गणेश गोदियाल,
अध्यक्ष, उत्तराखंड कांग्रेस

वैसे भी राज्य में मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पाटी और कांग्रेस के बीच माना जा रहा है। ऐसे में कांग्रेस अपनी रणनीति को आक्रामक बनाते हुए सत्ता पक्ष को हर मोर्चे पर चुनौती देने की तैयारी में है। इससे आने वाले विध ानसभा चुनाव में इस बार मुकाबला कठिन होने वाला है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।